भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर
ICAR-Indian Institute of Soybean Research, Indore

फाइल नं. **F.No. :** टेक **10-6/2016** दिनांक **Date: 08.07.2016**

खरीफ 2016: सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / **Kharif 2016: Advisory for Soybean Farmers**

(8–15 जुलाई 2016 / **8 to 15 July 2016)**

वर्तमान में सोयाबीन की खेती करने वाले प्रायः सभी क्षेत्रों में सोयाबीन की बौवनी पूर्ण हो गई होगी। फसल की स्थिति को ध्यान में रखते हुए कृषकों को निम्नलिखित सलाह दी जाती है।

1. अधिक वर्षा होने की स्थिति में सोयाबीन की फसल में पानी जमा रहने से नुकसान हो सकता है। अतः सलाह है कि खेतों से अतिरिक्त पानी के निकासी की व्यवस्था करें।
2. सोयाबीन की बौवनी के बाद बारिश न होने की स्थिति में फसल को बचाने हेतु कृषकों को सलाह है कि वे सम्भव होने पर शीघ्रातिशीघ्र सिंचाई (फव्वारा / टपक / अन्य) करने की व्यवस्था करें। इसी प्रकार अन्य उपाय जैसे डोरा / कोल्पा / हस्त चलित हो आदि से अंतःकर्षण करें, जिससे मृदा नमी की हानि नहीं हो, साथ ही जैविक मल्च (सोयाबीन / गेहूँ भूसा / अन्य) उपलब्ध हो तो सोयाबीन कतारों के बीच मल्च 5 टन / हे. की दर से उपयोग करें।
3. सोयाबीन की फसल 15–20 दिन की होने पर खरपतवार नियंत्रण आवश्यक है। खरपतवार नियंत्रण के लिए अन्य विधियों (हाथ से निंदाई / डोरा / कुल्पा) या बौवनी के पश्चात खड़ी फसल में उपयोगी खरपतवार नाशक (इमाझेथापीर / क्विझालोफॉप इथाइल / क्विझालोफॉप–पी–टेफूरील / फिनोक्सीप्रॉप–पी–इथाइल 1 ली / हे. या क्लोरीमुरान इथाइल दर 36 ग्रा. / हे.) रसायनों का छिड़काव कर खरपतवार नियंत्रण अवश्य रूप से करें। कृषकों को यह भी सलाह है कि आगामी 30–40 दिन तक पर्णभक्षी एवं रसचूसक कीटों से बचाव हेतु क्लोरएन्ट्रामिलिप्रोल 100 मि.ली. / हे. की मात्रा उपरोक्त अनुशंसित खरपतवारनाशकों के साथ मिलाकर छिड़काव किया जा सकता है।
4. उगी हुई सोयाबीन की फसल में लगातार वर्षा होने या भूमि में पर्याप्त नमी होने की स्थिति में नीला भृंग से पौधों को नुकसान हो सकता है। यदि नीला भृंग की समस्या है तो इसके नियंत्रण हेतु क्विनालफॉस 1.5 ली / हे. की दर से छिड़काव करें।
5. सोयाबीन की फसल पर प्रकोप करने वाले कीटों की पहचान हेतु सतत् खेत की निगरानी कर अनुशंसित कीटनाशक का छिड़काव कर नियंत्रण करें।

Sowing of soybean crop has already been completed by now. In present situation following advisories has been issued for soybean growers.

1. Water logging situation due to continuous and prolonged rain is harmful for soybean crop. Farmers are advised to make necessary arrangement of drainage in their field.
2. In case of drought situation arising after sowing, farmers are advised to provide life saving irrigation (Sprinkler/Drip/Other) to save their crop. Further, other measures like inter cultivation with Dora/Kulpa/ Hand Hoe as well as mulching with Wheat or other straw @ 5 t/ha should be applied in the field for moisture conservation.
3. In case, soybean crop is of around 15-20 days duration, proper weed management strategies using manual weeding/Dora or Kulpa/recommended herbicides (Imazethapyr/Quizalofop ethyl/ Quizalofop-p-tefuril/ Phenoxiprop-p-ethyl @ 1 lit/ha or Chlorimuran ethyl @ 36 g/ha) may be followed. Farmers are also advised to use combination of above recommended herbicides for spray with Clorantramiliprol (@ 100 ml/ha) in order to avoid attack of Defoliators and Sap sucking insects for next 30-40 days.
4. Wherever the crop is of 8-10 days duration, farmers are advised to control their crop from the expected attack of blue beetle in case of continuous rain by spray of Quinalphos @ 1.5 lit/ha.
5. Farmers are advised to visit their fields on regular basis for insectôs surveillance and make necessary arrangement for spray of recommended insecticides for their control.